पावटा कस्बे में पागल कुत्ते (श्वान) ने 13 लोगों को काटा, तीन जयपुर रैफर

श्वान के आतंक के बाद लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए

- उपखंड अधिकारी ने नगरपालिका एवं चिकित्सा विभाग को कार्रवाई के दिए निर्देश
- घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका की टीम को मौके पर भेजा है : ईओ फतेह सिंह

पावटा, (निसं)। कस्बे में उस समय दहशत का माहौल बन गया, जब एक पागल कुत्ते (श्वान) ने अलग-अलग स्थानों पर अचानक हमला कर 13 लोगों को काटकर घायल कर दिया। घटना के बाद पूरे क्षेत्र में अफरा-तफरी मच गई और लोग घरों में दुबकने को मजबूर हो गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार प्रभात कॉलोनी और नाई के मोहल्ले सहित कई स्थानों पर राहगीरों पर कुत्ते (श्वान) ने अचानक हमला कर दिया। शोर मचाने पर कुत्ता मौके से भाग गया, लेकिन तब तक कई लोग घायल हो चुके थे। स्थानीय लोगों की मदद से सभी घायलों को तत्काल उपजिला अस्पताल पावटा पहुंचाया गया। चिकित्सकों ने सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कर एंटी रेबीज इंजेक्शन लगाए। तीन घायलों घीसी देवी मीणा (60) निवासी भांकरी, विकास सिंह (40) निवासी पावटा, शांति देवी मीणा (72) निवासी पावटा की हालत गंभीर होने पर उन्हें जयपुर रैफर कर दिया गया।

उपजिला अस्पताल पावटा प्रभारी चिकित्सक रवि बंसल व डॉ. राजेश डूचानिया ने बताया, कुत्ते (श्वान) के काटने से घायल 13 मरीज अस्पताल लाए गए थे। सभी को आवश्यक उपचार और एंटी-रेबीज वैक्सीन दी गई है। तीन मरीजों को गहरे घाव और अधिक रक्तस्राव के कारण उच्च उपचार हेतु जयपुर के एसएमएस अस्पताल रैफर किया गया है। शेष मरीजों की स्थिति फिलहाल स्थिर है। घटना के बाद स्थानीय लोगों ने प्रशासन से आवारा कुत्तों पर नियंत्रण के लिए ठोस कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

उपखंड अधिकारी पावटा डॉ.साधना शर्मा ने घटना को गंभीर बताते हुए कहा, कस्बे में पागल कुत्ते (श्वान) द्वारा कई लोगों को काटने की सूचना मिलते ही प्रशासन अलर्ट हो गया है। नगरपालिका एवं चिकित्सा विभाग को तुरंत आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। प्रभावित क्षेत्रों में टीम भेजकर आवारा कुत्तों (श्वानों) को पकड़ने की कार्रवाई की जा रही है। साथ ही आमजन से भी अपील है कि वे सतर्क रहें और किसी भी संदिग्ध पशु की सूचना तुरंत प्रशासन को दें। घायलों को समुचित उपचार उपलब्ध करवाया जा रहा है। वही पावटा प्रागपुरा नगरपालिका अधिशासी अधिकारी फतेह सिंह मीणा ने बताया कि घटना की जानकारी मिलते ही नगरपालिका की टीम को मौके पर भेजा गया है। पागल कुत्ते (श्वान) को पकड़ने के लिए विशेष अभियान चलाया जा रहा है। प्रभावित इलाकों में निगरानी बढ़ा दी गई है। आवारा कुत्तों की धरपकड़ एवं टीकाकरण अभियान को और तेज किया जाएगा, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। आमजन से सहयोग की अपील की जाती है।

कोटा में युवक की हत्या के तीन आरोपियों को पकड़ा

- आपसी रंजिश के चलते युवक की हत्या की थी

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा इलाके में युवक की हत्या के दर्ज मामले में पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए तीन हमलावरों को गिरफ्तार किया है। शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि गुमानपुरा थाना इलाके के कोटड़ी भोई मोहल्ला में आपसी रंजिश के चलते युवक धीरज उर्फ बिजली बादशाह की नृशंस हत्या कर दी थी।

शहर एसपी ने बताया कि हत्या के मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस उप-अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में विशेष टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर संभावित स्थानों पर दबिश दी, पुलिस टीम ने मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए भोई मोहल्ला कोटड़ी निवासी पवन उर्फ बुड्ढा, भोई मोहल्ला निवासी ओमप्रकाश उर्फ गंजी, कोटड़ी भोई मोहल्ला निवासी रोहित उर्फ चिल्लू को गढ़ पैलेस चम्बल पुलिया के पास से डिटेन कर प्रकरण में गिरफ्तार किया गया। मामले में पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान में सामने आया कि मृतक धीरज की आरोपी ओमप्रकाश से करीब चार-पांच दिन पहले मोटरसाइकिल को साइड में लेने की बात को लेकर विवाद हुआ था, जिस पर मृतक धीरज ने आरोपी ओमप्रकाश के साथ मारपीट की थी, जिसका बदला लेने के लिये आरोपियों ने धीरज उर्फ बिजली बादशाह पर लोहे के पाइप व चाकू से हमला कर उसकी हत्या कर दी थी।

शहर एसपी ने बताया कि 23 फरवरी को फरियादी ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी थी, रिपोर्ट में कहा था कि उसका भाई धीरज उर्फ बिजली बादशाह और उसका दोस्त एक शादी में जा रहे थे, सामुदायिक भवन के पास 7-8 जने ओमप्रकाश, पवन, रोहित, तुषार, सुमित अन्य ने उसके भाई धीरज को रोककर लोहे के पाइप व चाकू से हमला कर दिया। हमले में उसके भाई धीरज की मौत हो गई थी। पुलिस ने फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज कर मामले में तीन आरोपियो की गिरफ्तारी की है। मामले में अनुसंधान जारी है।

जेवरात व नकदी चोरी : उदयपुर शहर के प्रतापनगर थाना क्षेत्र में स्थित सूने मकान से चोर जेवरात व नकदी चुरा ले गए। पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार पीड़ित रतनलाल पुत्र दलीचंद कुमावत निवासी मीरा नगर ओल्ड आरटीओ रोड़ ने पुलिस थाने में प्रकरण दर्ज करवाया, जिसमें उसने बताया कि 25 फरवरी को रिश्तेदारी की मृत्यु होने पर मकान पर ताला लगा कर वहां गए थे। वापस लौटे तो मकान का ताला टूटा हुआ एवं कमरों में सामान बिखरा पड़ा था। तलाशी लेने पर सोने-चांदी के जेवरात व नकदी गायब थी।

भीलवाड़ा : मध्यप्रदेश के सीएम ने सनातन मंगल महोत्सव में शिरकत की

- 'संत समाज सनातन संस्कृति के जीवंत स्तंभ हैं, उनके माध्यम से समाज को देवत्व का साक्षात्कार होता है'

भीलवाड़ा, (निसं)। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में अमरता केवल जीवन की निरंतरता नहीं, बल्कि वंश, संस्कार और आस्था की अखंड परंपरा है। संतान केवल परिवार का विस्तार नहीं, बल्कि उस कुल की अमरता का प्रसाद होती है। सनातन संस्कृति हजारों वर्षों से ज्ञान, साधना और आध्यात्मिक चेतना की धारा के रूप में समाज को दिशा देती आई है। यत् पिंडे तत् ब्रह्मांडे की भावना का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि मानव और ब्रह्मांड में कोई अंतर नहीं है, दोनों एक ही चेतना के विस्तार हैं। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव गुरुवार को भीलवाड़ा के हरिशेवा धाम में आयोजित सनातन मंगल महोत्सव व दीक्षा दान समारोह में मौजूद समस्त संतों व श्रद्धालुओं को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि संत समाज सनातन संस्कृति के जीवंत स्तंभ हैं। उनके माध्यम से समाज को देवत्व का साक्षात्कार होता है। उन्होंने महाभारत का संदर्भ देते हुए कहा कि दिव्य दृष्टि हर किसी को नहीं मिलती, किंतु संतों के सान्निध्य में आस्था और श्रद्धा के माध्यम से ईश्वर की अनुभूति संभव है। ऐसे दिव्य व्यक्तित्वों का सान्निध्य स्वयं में आध्यात्मिक ऊर्जा का स्रोत है। मध्यप्रदेश मुख्यमंत्री ने वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले कुंभ मेले में सभी श्रद्धालुओं को आमंत्रित किया। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विशेष रूप से राजस्थान और मध्यप्रदेश की सांस्कृतिक एकता का उल्लेख करते हुए कहा कि रा से राजस्थान और म से मध्यप्रदेश को जोड़ें तो यह राम परंपरा की स्मृति को जागृत करता है। यह केवल भाषाई संयोग नहीं, बल्कि साझा आस्था, इतिहास और संस्कृति का प्रतीक है।

उन्होंने कहा कि दोनों राज्यों की सांस्कृतिक विरासत एक-दूसरे से जुड़ी हुई है और भगवान राम की मर्यादा तथा सनातन मूल्यों से प्रेरित है। समारोह में सहकारिता विभाग के मंत्री गौतम दक, राज्यसभा सांसद बालयोगी उमेशनाथ महाराज, स्थानीय सांसद दामोदर अग्रवाल ने भी सनातन संस्कृति के विषय पर विचार व्यक्त किये। समारोह में महामंडलेश्वर स्वामी हंसराम उदासीन ने मुख्यमंत्री मोहन यादव सहित अन्य अतिथियों का उपरणा ओढ़ाकर अभिनन्दन किया।

अज्ञात वाहन की टक्कर से एक राहगीर की मौत

डूंगरपुर, (निसं)। जिले के धम्बोला थाना क्षेत्र में एक अज्ञात वाहन की टक्कर से एक राहगीर की मौत हो गई। गुरुवार सुबह कोवाडिया फला की कनिपा बस्ती के पास सड़क किनारे उसका शव मिला। पुलिस ने मृतक की पहचान कोवाडिया फला निवासी रतनलाल डामोर के रूप में की है।

धम्बोला थाने के एएसआई ने बताया कि गुरुवार सुबह उन्हें सूचना मिली थी कि कनिपा बस्ती के पास सड़क किनारे एक व्यक्ति का शव पड़ा है। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंची। घटनास्थल से अज्ञात वाहन की आगे की लाइट के टुकड़े भी बरामद हुए हैं। परिजनों ने पुलिस को बताया कि रतनलाल बीती रात घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। पुलिस ने शव को मौके से उठवाकर सीमलवाड़ा अस्पताल की मोर्चरी में रखवाया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया।

फिल्म "यादव जी की लव स्टोरी" का अलवर में विरोध

अलवर, (निसं)। अलवर में फिल्म यादव जी की लव स्टोरी के विरोध में यादव समाज के लोगों ने प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने 'यादव जी की लव स्टोरी नहीं चलेगी' तथा 'लव जिहाद बंद करो' जैसे नारे लगाए। जिला मुख्यालय स्थित मिनी सचिवालय पर यादव समाज के लोगों ने गुरुवार को यह प्रदर्शन किया। बाद में एडीएम सिटी को ज्ञापन सौंपा गया।

यादव समाज के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने बताया कि 27 फरवरी को फिल्म यादव जी की लव स्टोरी रिलीज होगी। उनका आरोप है कि फिल्म में यादव समाज की लड़की के चित्रण से छवि खराब होती है और सामाजिक सौहार्द बिगड़ सकता है। उन्होंने कहा कि यादव समाज ऐसी किसी घटना से जुड़ा नहीं है, जैसा फिल्म में दिखाया गया है। उन्होंने इसे समाज को बदनाम करने की कोशिश बताया। यादव समाज के अध्यक्ष नरेंद्र यादव ने चेतावनी दी कि यदि फिल्म अलवर में रिलीज हुई तो वे सिनेमाघरों में जाकर भी विरोध दर्ज कराएंगे।

यादव समाज के लोगों ने मिनी सचिवालय पर प्रदर्शन किया।

प्रदर्शनकारियों ने कहा कि फिल्म में उनके सरनेम का उपयोग कर कहानी बनाई गई है, जिसे वे स्वीकार नहीं करेंगे। उनका कहना है कि यदि समाज पर फिल्म बनानी है तो ऐतिहासिक और वीरता से जुड़े विषयों जैसे महाभारत या रणगाथाओं पर बनाई जानी चाहिए। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि फिल्म अलवर में रिलीज हुई तो वे सिनेमाघरों में जाकर भी विरोध दर्ज कराएंगे।

बताया गया कि इससे पहले टपूकड़ा क्षेत्र में भी इस फिल्म का विरोध हो चुका है। अलवर जिला मुख्यालय पर सैकड़ों लोग फिल्म के विरोध में एकत्रित हुए और प्रशासन से फिल्म की रिलीज पर रोक लगाने की मांग की।

बिल्डिंग गिरने के मामले में फरार मुख्य आरोपी गिरफ्तार

- हादसे में कोचिंग छात्र एवं एक नाबालिग की मौत हो गई थी और कुछ जने घायल हो गये थे
- पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया

कोटा, (निसं)। जवाहर नगर थाना इलाके में तीन मंजिला रेस्टोरेंट की बिल्डिंग गिरने के दर्ज मामले में जवाहर नगर पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए आरोपी मोहम्मद दाऊद को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि जवाहर नगर इलाके के इन्द्र विहार में ओपेरा अस्पताल के सामने तीन मंजिला बिल्डिंग भरभराकर गिर गई थी, हादसे में कोचिंग छात्र एवं एक नाबालिग की मौत हो गई थी और कुछ जने घायल हो गये थे। शहर एसपी ने कहा कि मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में अनुसंधान के बाद मुरादाबादी रेस्टोरेंट संचालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज कर आरोपी की तलाश के लिये पुलिस उप अधीक्षक योगेश शर्मा के सुपरविजन में जवाहर नगर थानाधिकारी रामलक्ष्मण गुर्जर के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया। शहर एसपी ने बताया कि गठित टीम ने तकनीकी आधार व मुखबीर की सूचना पर कार्रवाई करते हुए घटना के बाद से ही फरार चल रहे आरोपी जिला रामपुर उत्तरप्रदेश हाल तलवंडी निवासी मोहम्मद दाऊद को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

शहर एसपी तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 7 फरवरी की रात्रि को जवाहर नगर इलाके के इन्द्र विहार में ओपेरा अस्पताल के सामने स्थित रेस्टोरेंट की तीन मंजिला बिल्डिंग भरभराकर अचानक से धराशाही हो गई थी। हादसे में कोचिंग छात्र व एक नाबालिग बालक की मौत हो गई थी एवं आठ जने घायल हो गये थे। पुलिस ने घटना के बाद मामला दर्ज कर मामले में अनुसंधान किया। पुलिस टीम ने पकड़े गये आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आरोपी को न्यायिक अभिरक्षा में भेज दिया गया।

जोधपुर में विवाहिता की संदिग्ध हालत में मौत

जोधपुर, (कासं)। शहर के भदवासिया स्थित 80 फीट रोड पर रहने वाली एक विवाहिता की संदिग्ध हालात में मौत हो गई। बुधवार की देर शाम उसका शव फंदे पर लटका मिला। पीहर पक्ष का आरोप है कि ससुराल पक्ष ने हत्या कर शव को फंदे पर लटकाया है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को एमजीएच मोर्चरी पर रखवाया और गुरुवार सुबह उसका मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराया। शादी को चार साल हुए थे। घटना को लेकर अग्रिम जांच की जा रही है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट से ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा।

थानाधिकारी मोहम्मद शफीक खान ने बताया कि जयमल नगर 80 फीट रोड भदवासिया निवासी कमल किशोर जोशी पुत्र रामरख जोशी ने रिपोर्ट दी है। इसमें बताया कि उसकी पुत्री 30 वर्षीय तर्पिता की शादी वर्ष 2022 अप्रेल में विद्यानगर, आरटीओ के पास बीजेएस निवासी धर्मेंद्र पुत्र रामलाल के साथ हिंदू-रीति रिवाज के साथ की गई थी। शादी के समय 20 तोला सोना और एक किलो चांदी के आइटम के साथ घरेलू सामान दिया गया था, मगर ससुराल पक्ष के लोग जिनमें सास सुमन देवी, जेठ महेंद्र, जेठानी नीतू, काकी ससुर लक्ष्मणराम एवं खुद पति धर्मेंद्र उसे दहेज कम लाने की बात को लेकर प्रताड़ित करते थे। चार साल शादी के बीच में दो तीन बार उसकी बेटी तर्पिता को कम दहेज के लिए मारपीट कर घर बदर भी कर दिया गया। बाद में समाज के लोगों द्वारा समझाइश कर उसे ससुराल भिजवाया गया। बेटा जन्म के बाद उसे दहेज मे कार की मांग रखी गई थी। कार नहीं दिलाए जाने पर उसे घर से निकाल दिया गया। बाद में उसकी बेटी तर्पिता को किराए के मकान में रखा गया जहां पर पति धर्मेंद्र उससे मारपीट करता और दहेज के प्रताड़ित करता था।

हिस्ट्रीशीटर व दो अन्य आरोपी गिरफ्तार

कोटा, (निसं)। भीमगंजमंडी पुलिस टीम ने जानलेवा हमले के दर्ज मामले में कार्रवाई करते हुए थाने के हिस्ट्रीशीटर मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू व दो अन्य आरोपियों को गिरफ्तार किया है।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 22 जनवरी को फरियादी ने थाने में रिपोर्ट दी थी, कहा कि रात्रि के समय हाट रोड से अपने घर मोटरसाइकिल से जा रहा था, तभी सनसाइन होटल के पीछे वाली गली में तीन बाइक पर ईमरान उर्फ गोलू, आशु मलिक एवं दीपक चन्देल ने उसको रोककर जान से मारने की नियत से उस पर लोहे के पाइप से जानलेवा हमला कर दिया। शहर एसपी ने बताया कि फरियादी की रिपोर्ट पर मामला दर्ज किया गया। मामले मे फरार हमलावरो की तलाश के लिये भीमगंजमंडी थानाधिकारी रामकिशन गोदारा के नेतृत्व में टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने मुखबीर की सूचना व तकनीकी आधार पर कार्रवाई करते हुए हमलावरों की गिरफ्तारी के लिये जगह-जगह दबिश दी। शहर एसपी ने बताया कि आरोपी शातिर थे बार-बार स्थान बदलकर निवास कर रहे थे, पुलिस टीम ने लगातार प्रयास कर मामले में कार्रवाई करते हुए नेहरू नगर निवासी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू (31), नेहरू नगर निवासी मोहम्मद आशिक मलिक (26) एवं राजीव नगर कच्ची बस्ती गणेशपुरा निवासी दीपक चन्देल (33) को पुराना पम्प हाऊस चम्बल ब्रिज के पास से डिटेन कर अनुसंधान के बाद प्रकरण में गिरफ्तार किया।

शहर एसपी ने बताया कि मामले में पकड़ा गया आरोपी मोहम्मद इमरान उर्फ गोलू भीमगंजमंडी थाने का हिस्ट्रीशीटर है। मामले में सामने आया कि फरियादी का आरोपियों से पूर्व में झगड़ा हुआ था और उसी रंजिश को लेकर आरोपियों ने फरियादी पर प्राणघातक हमले को अंजाम दिया था।

जोधपुर में गजसिंह ने ओरण बचाओ पदयात्रियों से मुलाकात की

जोधपुर, (निसं)। गजसिंह ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में ओरण व गोचर भूमि जिस उद्देश्य को लेकर रखी गई उसका संरक्षण व संवर्धन समय के साथ जरूरी है। गजसिंह ने गुरुवार को ओरण बचाओ पदयात्रियों की टीम से उम्मेद भवन पैलेस में मुलाकात के दौरान यह विचार व्यक्त किए।

गज सिंह ने इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रियों से उनके कार्यक्रम की जानकारी ली व बातचीत करते हुए कहा कि उनका उद्देश्य जन भावनाओं, परंपराओं व जनहित से जुड़ा है। उन्होंने कहा कि ओरण व गोचर भूमि, तालाब, प्राचीन कुएं, बावड़ियों का संरक्षण जनहित से जुड़ा है। ओरण व गोचर भूमि हमारी संस्कृति व परंपराओं से जुड़ी हुई है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ओरण व गोचर भूमि के उसके परंपरागत उपयोग तक सीमित रखें। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में ओरण व गोचर भूमि पशुओं व वन्यजीवों के लिए जीवन यापन के लिए होती है, इसके उपयोग को देखते हुए इस भूमि का संरक्षण बना रहना चाहिए। उन्होंने आशा व्यक्त की कि राज्य सरकार जन भावनाओं के अनुरूप ही निर्णय लेगी। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र में विकास के साथ ओरण व गोचर भूमि का संरक्षण अति आवश्यक है। गजसिंह ने इस अवसर पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हाल ही में खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से रोक के निर्णय को सही व उचित ठहराया। उन्होंने कहा कि हमारी परंपरा व संस्कृति में अनेक ऐसे वृक्ष हो जो पूजनीय व जन आस्था से जुड़े हुए हैं, जिनका संरक्षण जरूरी है। गजसिंह ने इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रियों से कहा कि उनके इस कार्यक्रम में उनका पूरा सहयोग रहेगा। उनके द्वारा जिस स्तर पर भी कोशिश करनी हो, की जाएगी। उनका विशेष सभी से जुड़ा हुआ विषय है।

जोधपुर के उम्मेद भवन पैलेस में गजसिंह ने ओरण बचाओ पदयात्रियों की टीम से मुलाकात कर चर्चा की।

- ओरण व गोचर भूमि, तालाब, प्राचीन कुएं, बावड़ियों का संरक्षण जनहित से जुड़ा है : गजसिंह
- 'ग्रामीण क्षेत्र में ओरण व गोचर भूमि पशुओं व वन्यजीवों के लिए जीवन यापन के लिए होती है, इसके उपयोग को देखते हुए इस भूमि का संरक्षण बना रहना चाहिए'
- गजसिंह ने मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा हाल ही में खेजड़ी की कटाई पर पूरी तरह से रोक के निर्णय को सही व उचित ठहराया

गजसिंह ने इस अवसर पर पर्यावरण संरक्षण पर जोर देते हुए कहा कि पर्यावरण संतुलन को बनाए रखने के लिए अधिक से अधिक पौधारोपण किया जाना चाहिए व उनका संरक्षण भी जरूरी है। हम सब की इसके लिए जिम्मेदारी बनती है, हर व्यक्ति इसमें भागीदारी निभाएं। संस्थाओं द्वारा निजी स्तर व सरकारी स्तर पर इसके लिए चलाए जा रहे कार्यक्रमों में अपना योगदान दें।

उम्मेद भवन पैलेस में ओरण बचाओ जन जागरण अभियान के पदयात्री सुमेर सिंह सांवता के नेतृत्व में चतर सिंह जाम रामगढ़, झब्बर सिंह सोनू, भगवान सिंह नेतसी, भूपेंद्र सिंह भवाद, शक्ति सिंह पोपावास, धर्मवीर सिंह सांकड़ा, झब्बर सिंह सांखला व प्रेम सिंह मोहनगढ़ ने मुलाकात की। सभी ने महाराजा गजसिंह का सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

इस अवसर पर ओरण बचाओ पदयात्रा की अगुआई कर रहे सुमेर सिंह सांवता ने बताया कि ओरण बचाओ जनजागरण पदयात्रा 21 जनवरी को जैसलमेर के मातेश्वरी तनोट राय मंदिर से जयपुर के लिए रवाना हुई है। तीन दिन तक जोधपुर में पदयात्रियों ने जगह-जगह संपर्क किया। गुरुवार को पदयात्रा जोधपुर से आगे के लिए रवाना हो गई। उनकी मुख्य मांग यह है कि ओरण व गोचर भूमि को राजस्व रिकॉर्ड में सरकारी भूमि के स्थान पर ओरण व गोचर भूमि के नाम से दर्ज की जाए।

एक गिरफ्तार

उदयपुर, (निसं)। सायरा थाना पुलिस ने बाइक चोरी करने वाले को गिरफ्तार कर इसके कब्जे से चोरी की गई तीन बाइक बरामद की है। सायरा थानाधिकारी कानाराम के नेतृत्व में गठित दल ने प्रकरण में आरोपी प्रकाश पुत्र नकाराम को प्रोडक्शन वारंट जरिये गिरफ्तार कर प्रकरण में चोरी की गई बाइक के अलावा दो अन्य बाइक बरामद की।

मुख्यमंत्री से रामगंजमंडी के धनिया व्यापारियों ने मुलाकात की

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में रामगंजमंडी (कोटा) के धनिया व्यापारियों के प्रतिनिधिमंडल ने मुलाकात की।

इस दौरान प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने राज्य में धनिया उत्पादक किसानों के हितों, विपणन व्यवस्था को अधिक प्रभावी बनाने एवं मंडी शुल्क से जुड़े विषयों पर सुझाव साझा किए। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसानों की आय बढ़ाने, कृषि व्यापार को सुगम बनाने तथा कृषि मंडियों को अधिक सुदृढ़ और आधुनिक बनाने के लिए संकल्पित है। हमारा लक्ष्य है कि किसानों एवं कृषि क्षेत्र से जुड़े व्यापारियों को अधिकतम सुविधाएं प्रदान करते हुए कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूत किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को प्रतिनिधिमण्डल के सुझावों का समुचित आकलन एवं परीक्षण के निर्देश दिए।

इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) अखिल अरोड़ा, प्रमुख शासन सचिव कृषि एवं उद्यानिकी मंजू राजपाल सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के भैरूपुरा गांव को विस्थापित करने की तैयारी पूरी

- टाइगर रिजर्व के कोर क्षेत्र में बसे अन्य तीन गांवों के स्वैच्छिक विस्थापन की भी प्रक्रिया तेज
- 208 में से 80 परिवारों ने भरा नकद राशि का पैकेज, जल्दी ही जारी होगी पहली किश्त

बूंदी, (निसं)। रामगढ़-विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर-1 में बसे भैरूपुरा गांव के विस्थापन की प्रक्रिया शुरू हो गई है। वन विभाग व जिला प्रशासन ने गांव के सर्वे की सूचियां जारी करने के साथ ही ग्रामीणों से स्वैच्छिक विस्थापन के लिए विकल्प फॉर्म भरने की प्रक्रिया शुरू कर दी है। गांव के 208 में से अब तक करीब 80 परिवारों ने नकद राशि का विकल्प वन विभाग को दिया है, जिनकी जांच चल रही है और जल्दी ही पहली किश्त के रूप में तीन लाख रुपये खातों में डाले जायेंगे। इसके बाद विस्थापन की अन्य औपचारिकताएं पूरी कर दूसरी किश्त के रूप में साढ़े सात लाख रुपये खातों में ट्रांसफर किए जाएंगे। शेष साढ़े चार लाख रुपये की एफडी करवाई जाएगी। इसी प्रकार खटकड़ के भीमगंज व बाड़ा धूंधला आबादी को भी टाइगर रिजर्व से विस्थापित करने की कार्रवाई शुरू हो गई है। दोनों गांवों के भी विकल्प फॉर्म भरने शुरू हो गए हैं।

गुलखेड़ी के 2 परिवार नहीं छोड़ना चाहते गांव : टाइगर रिजर्व के गुलखेड़ी गांव को सबसे पहले विस्थापित किया जा रहा है जहां से 162 परिवार पूरी तरह गांव छोड़ चुके हैं। गुलखेड़ी में अभी भी 51 परिवार रह रहे हैं, जिन्हें भूमि पैकेज का इंतजार है। इनमें से 33 परिवार ऐसे भी है, जिन्हें प्रथम किस्त का भुगतान कर दिया, लेकिन अभी तक उन्हें विस्थापित नहीं किया जा सका है। गुलखेड़ी में दो परिवार ऐसे भी है, जिन्होंने विस्थापन का विकल्प नहीं भरा और गांव में ही रहना चाहते हैं।

रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व के कोर-1 में अभी 8 गांवों में करीब दो हजार परिवार निवास कर रहे हैं, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से जंगल से बाहर बसाने की योजना है। जिनमें जैतपुर रेंज में एक गांव भीमगंज व रामगढ़ रेंज में शेष 7 गांव आते हैं, जिनमें केशवपुरा, भैरूपुरा, गुढ़ा मकदू, जावरा, जावरा की झोपड़ियां, गुलखेड़ी व बाड़ा धूंधला शामिल हैं। इन आठ गांवों में से अभी तक केवल गुलखेड़ी को ही आंशिक रूप से विस्थापित किया जा सका है।

रामगढ़ विषधारी के कोर क्षेत्र में बसे 8 गांवों का विस्थापन स्वैच्छिक प्रक्रिया है, जिसमें ग्रामीणों को केश या भूमि पैकेज चुनने की आजादी है। केश पैकेज में प्रति परिवार तीन किश्तों में 15 लाख रुपये दिए जाने का प्रावधान है, जिनमें साढ़े चार लाख की एफडी शामिल है। भूमि पैकेज में खाते की जमीन के अतिरिक्त जमीन की सिंचित या असिंचित किस्म के आधार पर करीब एक से डेढ़ हेक्टेयर जमीन व 3 लाख 70 हजार रुपये देने का प्रावधान है। जो काश्तकार वर्तमान में गांव में निवास नहीं करते, लेकिन विस्थापित होने वाले गांव में खाते की जमीन है तो उन्हें नगरीय सीमा से दूरी के अनुसार डीएलसी दर से अधिक राशि का भुगतान किया जाएगा।

अरुण कुमार डी, उपवन संरक्षक एवं उपक्षेत्र निदेशक, रामगढ़ विषधारी टाइगर रिजर्व (कोर) बूंदी के अनुसार टाइगर रिजर्व के कोर-1 में बसे गांवों के विस्थापन की प्रक्रिया चल रही है। भैरूपुरा गांव के जो प्रस्ताव प्राप्त हुए है उन्हें प्रथम किश्त का भुगतान जल्दी ही करने का प्रयास कर रहे हैं।